बुद्ध की प्रेरणादायक कहानी | Story of lord buddha in hindi

आप गौतम बुद्ध की प्रेरणादायक कहानी Offline पढ़ना चाहते है | तो आपके लिए गौतम बुद्ध की कहानियाँ **PDF** भी दिया है। आप इसे Save करके Offline पढ़ सकते है। और साथ ही किसी भी व्यक्ति को Share कर सकते है। यह बुद्ध जी की कहानियो वाला PDF फ्री है।

किसी इंसान को जीवन में सफलता पानी है तो उन्हें पहले गौतम बुद्ध कहानियां जरूर पढ़नी चाहिए। गौतम बद्ध एक जैसे महान महात्मा थे जिन्होंने पूरी दुनिया में अपना ज्ञान बाटा जिस ज्ञान से मानवता का काफी कल्याण हुआ। आज के समय में बच्चो और बड़ो को इनकी कहानियां पढ़नी चाहिए ताकि समय रहते ही शक्ति एवं बौद्धिक स्तर का विकास हो सके।

आज आपको हम गौतम बद्ध जी के कुछ ऐसे ही motivational और ज्ञान वाली कहानियां बताने जा रहे है। आप इन कहानियो को जरूर पढ़े और अपने साथियो को शेयर भी करे।
www.Successpeoplestory.com

कठिन परिश्रम और धैर्य - बुद्ध की प्रेरणादायक कहानी

एक समय की बात है, भगवान् बुद्ध अपने साथियो के साथ किसी गांव में उपदेश देने के लिए जा रहे थे। तब उन्हें गांव के रास्ते में बहुत जगह जगह पर गड्ढे खुदे हुए थे।

यह देख के बुद्ध के एक साथी ने उन गड्ढो को ध्यान से देखा और कहने लगा | की इन गड्ढो को इस तरह से क्यों खोदा होगा ?

तभी यह सुनकर बुद्ध जी बोले - एक व्यक्ति पानी की तलाश में यहाँ आया होगा। और उस व्यक्ति ने यहाँ पर इतने सारे गड्ढे खोदे है। यही वह व्यक्ति एक ही जगह पर सिर्फ एक ही गड्ढा खोदता तो उसे जरूर पानी पीने के लिए मिल जाता।

लेकिन उस व्यक्ति ने एक ही जगह पर गड्ढा खोदा और कुछ ही देर खोद के पानी के न मिलने पर दूसरे जगह पर खोदने लगता। यही बार-बार उसने किया है, इस कारण ही यहाँ पर इतने सारे गड्ढे खोदे हुए है।

अगर इंसान किसी काम में परिश्रम करता है तो उसे बीच में नहीं छोड़ना चाहिए। उसे बस धैर्य रखना चाहिए क्युकी कभी भी महेनत का फल बेकार नहीं जाता उसे मिलता जरूर है।

Read - https://successpeoplestory.com/gautam-buddha-quotes-in-hindi

एक कंजूस सेठ (बुद्ध की प्रेरणादायक कहानी PDF)

एक बार महात्मा बुद्ध अपने शिष्यो के साथ जंगल से गुजरते हुए तालाब के पास पहुंचे उन्होंने शिष्यो से कहा यहाँ पर कुछ समय के लिए विश्राम करते है। यहाँ पर जब भी महात्मा लोग आते है तो यही पर रुकते है और अपना भोजन करते है है और इस तालाब में पानी पीते है।

तभी वही पर महात्मा बुद्ध जी से एक शिष्य ने एक सवाल करना चाहा और कहा महात्मा बुद्ध जी आप नाराज तो नहीं होंगे मेरे सवालो से तभी बुद्ध जी बोले नहीं शिष्य तुम पूछो तुम्हे क्या पूछना है।

तभी महात्मा जी के शिष्य ने कहा अभी हम जिस गांव से आये वह उन लोगो ने हमारा अच्छे से देखभाल किया। और हमें अच्छा अच्छा भोजन करवाया उन्हें आपने वरदान में उजड़ जाओ ऐसा क्यों कहा ? और वही पे उससे पहले दूसरे गांवो के लोगो ने हमारा इतना अपमान किया आपने उनको बसे रहो का वरदान क्यों दिया ?

यह शिष्य की बात सुनकर महात्मा बुद्ध जी ने कहा - मेने उन गांव वालो को उजड़ जाने के लिए कहा वह इसलिए क्युकी उनके विचार अच्छे थे उनका कर्म भी अच्छा था। और वह अपने विचारो को दूसरे लोगो तक भी फैला पायंगे।

और जिनको मेने बसे रहने का वरदान दिया वे लोग पापी और अत्याचारी थे, इस लिए मेने उनको वही पर बसे रहने का वरदान दिया। ताकि उनका अत्याचार दुसरो पर न हो।

बुद्ध की शिक्षा से मिली सफलता (गौतम बुद्ध की प्रेरणादायक कहानी)

एक बार एक व्यक्ति को महात्मा बुद्ध ने एक सुझाव दिया की तुम काफी दूर जाकर पीने का पानी लाते हो क्यूना तुम अपने घर के पास ही एक कुँवा खुदवा लो जिससे तुम्हे कही और जाने की जरूरत नहीं पड़े। और हमेशा के लिए कही और जाने से छुटकारा भी मिल जाये।

गौतम बुद्ध की यह बात सुनकर उस व्यक्ति ने अपने घर के पास कुँवा खोदना शुरू कर दिया। और कुछ समय बाद उस व्यक्ति ने 8 फिट तक खोद दिया। लेकिन उसे वह पर पानी नहीं मिला। पानी तो छोड़ो उसे थोड़ा भी गीली मिटटी देखने तक को नहीं मिला।

फिर उस व्यक्ति ने दूसरे जगह पर यही किया और 10 फिट तक गड्ढा खोद दिया और उसमे भी उसे पानी नहीं मिला। ऐसे ही उसने 10 जगह पर खोदा उसे कही भी पानी नहीं मिला सिर्फ उसे निराशा ही हाथ लगी।

यह होने के बाद वह गौतम बुद्ध जी के पास गया और उनसे कहा की मेने घर के पास ही 10 जगह पर 10 फिट के गड्ढे खोदे है। लेकिन मुझे एक में भी पानी नहीं मिला।

यह सुनकर गौतम बुद्ध जी को सुनकर काफी हैरानी हुयी और उन्होंने कहा चलो मुझे वहा पर ले जाओ जहा तुमने गड्ढे खोदे है। वह व्यक्ति उन्हें उस जगह पर लेकर गया और बुद्ध जी ने वहा पर उन गड्ढो को देखा और सारा माजरा समझ गए।

महात्मा बुद्ध जा बाल तुम अगर 10 गड्ढा का जगह पर एक हा गड्ढा खादत ता तुम्ह कब का पाना मिल जाता। लाकन तुमन ऐसा नहीं इस लिए तुम्हे पानी नहीं मिला। अब तुम इन 9 गड्ढो को भरदो और एक ही गड्ढे को खोदते रहो तुम्हे जरूर पानी मिलेगा।

यह बात उस व्यक्ति ने सुना तो और 9 गड्ढो को भर दिया और सिर्फ 1 ही गड्ढे को खोदने लगा। कुछ समय खोदने के बाद उसे पानी भाहर आते दिखा और वह बहुत खुश हुवा उसने महात्मा बुद्ध जी का धन्यवाद किया।

बुद्ध अमृत की खेती (Gautam Buddhas Inspirational Story in hindi)

एक समय की बात है गौतम बुद्ध जी भिक्षा लेने के लिए एक किसान के घर पहुंचे। तभी किसान ने बुद्ध जी को देखा और बोलने लगे महात्मा जी में एक किसान हु और तभी खाना खता हु जब में खेत में हल जोतता हु फसल उगाता हु। आपको भी यही करना चाहिए तभी आपको भी खाना खाना चाहिए ।

तभी बुद्धा जी भी कहा में भी खेती ही करता हु। तभी यह सुनकर किसान को हैरानी हुयी और मोलने लगा महात्मा जी मेने न कभी तुम्हारा हल और बेल और न ही तुम्हारा खेत देखा। तो आप कैसे कह सकते है की तुम खेती करते हो। आप हमें अपने खेतो के बारे में थोड़ी बताइये।

तभी बुद्ध जी बोल पड़े मेरे पास श्रद्धा का बीज और तपस्या रूपी वर्षा और प्रजा रूपी जोत साथ ही हल और विचार रूपी रस्सी है में बचपन और कर्म में विस्वास रखता हु। में अपनी खेती को बेकार घास से दूर ही रखता हु। और आनंद मई रूपी फसल को काटता हु। और इस तरह से में अमृत की खेती करता हु।

चेन की नींद (गौतम बुद्ध की प्रेरक कहानियाँ)

एक समय की बात है एक बार गौतम बुद्ध सिंसवा वन में आराम कर रहे थे। तभी उनका एक शिष्य आकर पूछता है । क्या आप कल के रात बिना परेशान हुए सोये ?

तभी गौतम बुद्ध जी बोलते है - हाँ कल में चेन की नींद सोया था।

तभी शिष्य बोला - महात्मा बुद्ध जी कल तो रात तो बहुत ज्यादा हिमपात हो रहा था और कड़ाके की ठंड भी हो रही थी। और आपके पत्तो का यह आसान तो बहुत पतला था। फिर भी आप कह रहे है की आपको चेन की नींद आई।

गौतम बद्ध जी ने कहा - तुम मेरे यह सवाल का जवाब दो मान लो की, एक व्यक्ति का पुत्र का कमरा वायुरहित और बंद हो, और उसका पलंग मखमल का हो, साथ ही उसके सहायता के लिए ४ लोग रहे। तब क्या उसे सुख की नींद आएगी।

तभी शिष्य ने कहा - जी हॉ उसे सुख की नींद आएगी। क्युकी उसे हर तरह की सुविधाएं मिल रही है। ऐसे में तो किसी को भी चेन की नींद आएगी।

गौतम बुद्धा ने फिर से सवाल किया - यदि उस वक्त को मानसिक और शाररिक रोग हो तो क्या उसे चेन की नींद आएगी।

शिष्य ने कहा - नहीं महात्मा जी उसे चेन की नींद नहीं आएगी।

तभी गौतम बद्ध जी ने कहा - इसी तरह कड़ाके की ठंड और हिमपात से होने वाली तकलीफ जड़ मूल से नष्ट हो चुकी थी। इसी लिए मुझे चेन की नींद आई।

चेन की नींद सोने के लिए आस्तरण की आवश्यकता नहीं होती है क्युकी सुकून की नींद सोने के लिए चित्त का शांत होना बहुत आवश्यक होता है। अगर सुखद आस्तरण हो तो बात ही अलग है। ऐसे में तो नींद के लिए निश्चय ही सहायक होगा।

Join With Us - www.Successpeoplestory.com